14/3/12

Series : SMA/1

कोड नं.
Code No. **61/1/3**

रोल नं.
Roll No. 9 7 1 3 0 1 1

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** + **2** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **21** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **12** printed pages + **2** Maps.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **21** questions.
- **Please write down the serial number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer script during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने लिखे हैं ।*

(ii) *2 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड* ***क*** *– प्रश्न सं. 1 से 3) का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iii) *5 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड* ***ख*** *– अनुभाग I, II, III – प्रश्न सं. 4 से 14) का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iv) *10 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खण्ड* ***ग*** *– प्रश्न सं. 15 और 16) का उत्तर 500 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(v) *खण्ड* ***घ*** *के प्रश्न* ***तीन*** *स्रोतों पर आधारित हैं ।*

(vi) *मानचित्र अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए (खण्ड* ***य****) ।*

General Instructions :

(i) *Answer **all** the questions. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answers to questions carrying 2 marks (Part **A** – Question nos. 1 to 3) should not exceed 30 words each.*

(iii) *Answers to questions carrying 5 marks (Part **B** – Section I, II, III – Question nos. 4 to 14) should not exceed 100 words each.*

(iv) *Answers to questions carrying 10 marks (Part **C** – Question nos. 15 and 16) should not exceed 500 words each.*

(v) *Part **D** has questions based on **three** sources.*

(vi) *Attach the maps with the answer scripts (Part **E**).*

खण्ड – क

PART – A

निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Answer **all** the questions given below :

1. ब्राह्मणों द्वारा ऐसी दो नीतियों का उल्लेख कीजिए जो उन्होंने धर्मसूत्रों तथा धर्मशास्त्रों में चारों वर्णों के आदर्श जीविका के लिए दिए गए नियमों का पालन करवाने हेतु अपनायीं । **2**

   Mention any two strategies evolved by Brahmanas to enforce the norms about the ideal occupations for all the four Varnas, contained in Dharmasutras and Dharmashastras.

2. मस्जिदों के स्थापत्य संबन्धी किन्हीं दो सार्वभौमिक तत्त्वों का उल्लेख कीजिए । **2**

   Mention any two universal architectural features of Mosques.

3. कानपुर और जमशेदपुर सही अर्थों में "औद्योगिक शहर" क्यों माने जाते थे ? कोई दो कारण लिखिए । **2**

   Why were Kanpur and Jamshedpur known as proper "Industrial Cities" ? Give any two reasons.

खण्ड – ख

PART – B

अनुभाग – I

SECTION – I

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Answer any **three** of the following questions :

4. हड़प्पा शहरों की जल निकासी प्रणाली का संक्षेप में वर्णन कीजिए । **5**

   Describe briefly the drainage system of the Harappan cities.

5. मौर्य साम्राज्य के इतिहास की रचना के लिये प्रयुक्त स्रोतों का वर्णन कीजिए । 5

Describe the sources used to construct the history of Mauryan Empire.

6. हम बुद्ध की शिक्षाओं के बारे में कैसे जानते हैं ? स्पष्ट कीजिए । 5

How do we come to know about Buddha's teachings ? Explain.

7. सभी परिवार किस प्रकार एक जैसे नहीं होते ? प्राचीन समय में हुए उनके वैविध्य के प्रकार स्पष्ट कीजिए । 5

How are all families not identical ? Explain the kind of variations, that occurred in ancient times.

अनुभाग – II

SECTION – II

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर लिखिए :

Answer any **two** of the following questions :

8. हम्पी के भग्नावशेष किस प्रकार और कब प्रकाश में लाए गए ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए । 5

How and when were the ruins of Hampi brought to light ? Explain briefly.

9. 16वीं तथा 17वीं शताब्दी के दौरान कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका का संक्षेप में वर्णन कीजिए । 5

Describe briefly the role of women in agrarian society during 16^{th} and 17^{th} centuries.

10. "सटीक और विस्तृत आलेख तैयार करना मुग़ल प्रशासन के लिए मुख्य रूप से महत्त्वपूर्ण था ।" इस कथन की पुष्टि, तथ्यों के आधार पर कीजिए । 5

"The keeping of exact and detailed records was a major concern of the Mughal administration". Support the statement with facts.

अनुभाग – III

SECTION – III

निम्नलिखित में किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर लिखिए :

Answer any **three** of the following questions :

11. राजमहल की पहाड़ियों में रहने वाले पहाड़िया लोगों को पहाड़ियों में भीतर की ओर चले जाने को क्यों मजबूर किया गया ? इसका उनके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । 1 + 4 = 5

Why were the Paharias, living in the Rajmahal hills, forced to withdraw deeper into the hills ? How was their life affected ? Explain.

12. अंग्रेजों द्वारा 1857 के सैनिक विद्रोह की बनाई तस्वीरों को देखने पर तरह-तरह की भावनाएँ और प्रतिक्रियाएँ क्यों पैदा होती हैं ? स्पष्ट कीजिए । **5**

How do the British pictures of mutiny of 1857 offer a variety of images that were meant to provoke different emotions and reactions ? Explain.

13. "कुछ विद्वान यह मानते हैं कि देश का बँटवारा एक ऐसी सांप्रदायिक राजनीति का आखिरी बिन्दु था जो 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में शुरू हुई ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । **5**

'Some scholars see partition as a columniation of a communal politics that started developing in the opening decades of the twentieth century." Examine the statement.

14. "संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से भी प्रभावित होती थीं ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । **5**

"The discussions within the constituent assembly were also influenced by the opinion expressed by the public." Examine the statement.

खण्ड – ग

PART – C

15. विजयनगर की भौगोलिक स्थिति के विषय में चौंकाने वाले तथ्य, इसकी जल संपदा तथा किलेबन्दियों की व्याख्या कीजिए । **10**

अथवा

मौसम के दो मुख्य चक्रों के दौरान 16वीं तथा 17वीं शताब्दियों के दौरान कृषि किस प्रकार की जाती थी ? विभिन्न फसलों को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

Explain the striking features about the location of Vijayanagara, its water resources and its fortifications.

OR

Explain how during 16th and 17th centuries agriculture was organised around two major seasonal cycles by giving examples of different crops.

16. भारत में अठारहवीं शताब्दी के दौरान शहरी केन्द्रों के इतिहास, विशेष रूप से व्यापारतन्त्र में आए परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए । **10**

अथवा

ऐसे स्रोतों की व्याख्या कीजिए, जिनसे हम गांधीजी के राजनीतिक सफर एवं राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास को सूत्रबद्ध कर सकते हैं ।

Explain the changes reflected in the history of urban centres in India during the 18th century with special reference to network of trade.

OR

Explain the sources from which we can reconstruct the political career of Gandhiji and the history of the nationalist movement.

खण्ड – घ

(स्रोत आधारित प्रश्न)

PART – D

(Source Based Questions)

17. निम्नलिखित अनुच्छेदों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उनके अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"बहुत अच्छा महोदय – साहसिक शब्द, उदात्त शब्द"

सोमनाथ लाहिड़ी ने कहा था :

महोदय मैं पंडित नेहरू को इस बात के लिए मुबारकबाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने यह कह कर भारतीय जनता की भावना को इतने सटीक शब्दों में व्यक्त किया है कि भारत के लोग अंग्रेजों द्वारा थोपी गई किसी चीज को स्वीकार नहीं करेंगे । उन्होंने कहा कि इस तरह की जबरदस्ती पर असंतोष व आपत्ति व्यक्त की जाएगी और अगर आवश्यकता हुई तो हम संघर्ष की घाटी में उतरेंगे । बहुत अच्छा महोदय – साहसिक शब्द, उदात्त शब्द ।

परंतु देखना यह है कि इस चुनौती को आप कैसे और कब साकार करते हैं । महोदय, मसला यह है कि यह जबरदस्ती इसी समय की जा रही है । न केवल ब्रिटिश योजना ने भावी संविधान बना दिया है .... जो अंग्रेजों की संतुष्टि पर आश्रित होगा बल्कि इससे यह भी संकेत मिलता है कि मामूली से मामूली मतभेद के लिए भी आपको संघीय न्यायालय तक दौड़ना होगा या वहाँ इंग्लैंड में जाकर नाचना पड़ेगा; या ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली या किसी और के दरवाज़े पर दस्तक देनी होगी । केवल यही सच नहीं है कि हम चाहे जो भी योजना क्यों न बनाएँ यह संविधान सभा ब्रिटिश बंदूकों, ब्रिटिश सेना, उनके आर्थिक व वित्तीय शिकंजे के साये में है – इसका मतलब यह निकलता है कि मूल रूप से सत्ता अभी भी अंग्रेज़ों के हाथ में है और सत्ता का प्रश्न बुनियादी तौर पर अभी तय नहीं हुआ है, जिसका अर्थ यह निकलता है कि हमारा भविष्य अभी भी पूरी तरह हमारे हाथों में नहीं है । इतना ही नहीं, हाल ही में एटली तथा अन्य लोगों द्वारा दिए गए वक्तव्यों में यह भी स्पष्ट हो गया है कि अगर ज़रूरत पड़ी तो वे विभाजन से भी पीछे नहीं हटेंगे । महोदय इसका आशय यह है कि इस देश में कोई स्वतंत्रता नहीं है । जैसा कि अभी कुछ दिन पहले सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था, हमारे पास केवल आपस में लड़ने की स्वतंत्रता है । हमें बस इतनी ही स्वतंत्रता मिली है... । इसलिए हमारा विनम्र सुझाव है कि यहाँ सवाल इस योजना की रूपरेखा के जरिए कुछ पा लेने का नहीं बल्कि यहाँ और अभी स्वतंत्रता की घोषणा करने और अंतरिम सरकार, भारत की जनता से यह आह्वान करने का है कि वे आपस में लड़ने की बजाय अपने शत्रु को देखें, जिसके हाथ में अभी भी कोड़ा है, वे ब्रिटिश साम्राज्यवाद को देखें – और उससे मिलकर लड़ने के लिए आगे बढ़ें और जब हम स्वतंत्र हो जाएँगे, तब हम अपने दावों का हल ढूँढ़ सकते हैं ।

संविधान सभा बहस, खंड 1

(1) सोमनाथ लाहिड़ी ने पं. जवाहरलाल नेहरू को क्यों मुबारकबाद दी ? 1

(2) सोमनाथ ने ऐसा क्यों महसूस किया कि अपना संविधान न होने का अर्थ होगा अंग्रेज़ों पर निर्भर रहना ? 3

(3) सोमनाथ ने ऐसा क्यों महसूस किया कि मूलरूप से शक्ति अभी अंग्रेजों के ही पास है ? 2

(4) सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों को स्पष्ट कीजिए । 2

(1 + 3 + 2 + 2 = 8)

अथवा

"जी नहीं, असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है"

जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत किए गए उद्देश्य प्रस्ताव का स्वागत करते हुए एन.जी.रंगा ने कहा था :

महोदय, अल्पसंख्यकों के बारे में बहुत बातें हो रही हैं । असली अल्पसंख्यक कौन हैं ? तथाकथित पाकिस्तानी प्रांतों में रहने वाले हिंदू, सिख और यहाँ तक मुसलमान भी अल्पसंख्यक नहीं हैं । जी नहीं, असली अल्पसंख्यक तो इस देश की जनता है । यह जनता इतनी दबी-कुचली और इतनी उत्पीड़ित है कि अभी तक साधारण नागरिक के अधिकारों का लाभ भी नहीं उठा पा रही है । स्थिति क्या है ? आप आदिवासी इलाकों में जाइए । उनके अपने कानूनों, उनके जनजातीय कानूनों, उनकी ज़मीन को उनसे नहीं छीना जा सकता । लेकिन हमारे व्यापारी वहाँ जाते हैं, और तथाकथित मुक्त बाज़ार के नाम पर उनकी ज़मीन छीन लेते हैं । भले ही कानून ज़मीन की इस बेदखली के खिलाफ हो, व्यापारी इन आदिवासियों को तरह-तरह के बंधनों में जकड़कर गुलाम बना लेते हैं और पीढ़ी-दर-पीढ़ी दासता के नर्क में ढकेल देते हैं । आइए अब आम गाँव वालों को देख लेते हैं । वहाँ सूदखोर पैसा लेकर जाता है और गाँव वालों को अपनी जेब में डाल लेता है । वहाँ ज़मींदार हैं और मालगुजार व अन्य लोग हैं जो इन गरीब देहातियों का शोषण करते हैं । इन लोगों में मूलभूत शिक्षा तक नहीं है । असली अल्पसंख्यक यही लोग हैं जिन्हें सुरक्षा और सुरक्षा का आश्वासन मिलना चाहिए । उन्हें आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने के लिए केवल इस प्रस्ताव से काम चलने वाला नहीं है ... ।

संविधान सभा बहस, खंड 2

(1) एन.जी. रंगा के अनुसार वास्तविक अल्पसंख्यक कौन और क्यों हैं ? **2**

(2) एन.जी. रंगा के सामान्य ग्रामीण जनता के बारे में दिए गए विचारों को स्पष्ट कीजिए । **3**

(3) प्रो. एन.जी. रंगा के आदिवासी क्षेत्रों तथा आदिवासी नियमों के बारे में क्या विचार हैं ? **3**

(2 + 3 + 3 = 8)

Read the following passage carefully and answer the questions that follow :

"That is very good, Sir – bold words, noble words"

Somnath Lahiri said :

Well, Sir, I must congratulate Pandit Nehru for the fine expression he gave to the spirit of the Indian people when he said that no imposition from the British will be accepted by the Indian people. Imposition would be resented and objected to, he said, and he added that if need be we will walk the valley of struggle. That is very good, Sir – bold words, noble words.

But the point is to see when and how are you going to apply that challenge. Well, Sir, the point is that the imposition is here right now. Not only has the British Plan made any future Constitution ... dependent on a treaty satisfactory to the Britisher but it suggests that for every little difference you will have to run to the Federal Court or dance attendance there in England; or to call on the British Prime Minister Clement Attlee or someone else. Not only is it a fact that this Constituent Assembly, whatever plans we may be hatching, we are under the shadow of British guns, British Army, their economic and financial stranglehold – which means that the final power is still in the British hands and the question of power has not yet been finally decided, which means the future is not yet completely in our hands. Not only that, but the statements made by Attlee and others recently have made it clear that if need be, they will even threaten you with division entirely. This means, Sir, there is no freedom in this country. As Sardar Vallabh Bhai Patel put it some days ago, we have freedom only to fight among ourselves. That is the only freedom we have got ... Therefore, our humble suggestion is that it is not a question of getting something by working out this Plan but to declare independence here and now and call upon the Interim Government, call upon the people of India, to stop fratricidal warfare and

look out against its enemy, which still has the whip in hand, the British Imperialism – and go together to fight it and then resolve our claims afterwards when we will be free.

(1) Why did Somnath Lahiri congratulate Pt. Nehru ?
(2) Explain why Somnath feels that the absence of constitution will mean dependence on the British.
(3) How did he feel that the final power was still in the hands of the British ?
(4) Explain the views of Sardar Vallabh Bhai Patel.

OR

"The real minorities are the masses of this country"

Welcoming the Objectives Resolution introduced by Jawaharlal Nehru, N.G. Ranga said :

Sir, there is a lot of talk about minorities. Who are the real minorities ? Not the Hindus in the so-called Pakistan provinces, not the Sikhs, not even the Muslims. No, the real minorities are the masses of this country. These people are so depressed and oppressed and suppressed till now that they are not able to take advantage of the ordinary civil rights. What is the position ? You go to the tribal areas. According to law, their own traditional law, their tribal law, their lands cannot be alienated. Yet our merchants go there, and in the so-called free market they are able to snatch their lands. Thus, even though the law goes against this snatching away of their lands, still the merchants are able to turn the tribal people into veritable slaves by various kinds of bonds, and make them hereditary bond-slaves. Let us go to the ordinary villagers. There goes the money-lender with his money and he is able to get the villagers in his pocket. There is the landlord himself, the zamindar, and the *malguzar* and there are the various other people who are able to exploit these poor villagers. There is no elementary education even among these people. These are the real minorities that need protection and assurances of protection. In order to give them the necessary protection, we will need much more than this Resolution ...

(1) Who are the real minorities according to Shri N.G. Ranga and why ?
(2) Explain N.G. Ranga's views about the condition of ordinary villagers.
(3) Mention the views of Prof. N.G. Ranga regarding the tribal areas and the tribal law.

18. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

स्वजन के मध्य लड़ाई क्यों हुई ?

यह उद्धरण संस्कृत महाभारत के आदिपर्वन् (प्रथम अध्याय) से है और कौरव पांडव के बीच हुए संघर्ष का चित्रण करता है :

कौरव.... धृतराष्ट्र के पुत्र थे और पांडव उनके बांधव जन थे । चूँकि धृतराष्ट्र नेत्रहीन थे अत: उनके अनुज पांडु हस्तिनापुर के सिंहासन पर आसीन हुए... किंतु पांडु की असामयिक मृत्यु के बाद धृतराष्ट्र राजा बने, क्योंकि सभी राजकुमार अल्पवयस्क थे । जैसे-जैसे राजकुमार बड़े हुए हस्तिनापुर के नागरिक पांडवों के प्रति अपनी अभिरुचि व्यक्त करने लगे क्योंकि वे कौरवों के मुकाबले अधिक योग्य और सदाचारी थे । इस बात से कौरवों में ज्येष्ठ, दुर्योधन को बहुत ईर्ष्या हुई । वह अपने पिता के पास गया और बोला, "हे भूपति, अपूर्णता के कारण आपको सिंहासन पर बैठने का अधिकार नहीं था हालाँकि यह आपको प्राप्त हो गया । यदि पांडव पांडु से यह विरासत प्राप्त करते हैं तो उनके बाद उनके पुत्र, पौत्र और फिर प्रपौत्र इस पैतृक संपत्ति के अधिकारी हो जाएँगे और हम तथा हमारे पुत्र इस राज्य के उत्तराधिकार से बेदखल होकर संसार में क्षुद्र समझे जाएँगे ।"

इस तरह के उद्धरण अक्षरश: सत्य न भी हों तो भी वे इस बात का अनुमान करा देते हैं कि जिन लोगों ने यह ग्रंथ लिखा वे क्या सोचते थे । कभी-कभी, जैसे यहाँ प्रकरणों में परस्पर विरोधी विचार मिलते हैं ।

(1) हस्तिनापुर के नागरिक पांडवों के प्रति अपनी अभिरुचि क्यों व्यक्त करने लगे ? **2**

(2) पांडवों के प्रति दुर्योधन की प्रतिक्रिया स्पष्ट कीजिए । **3**

(3) पितृवंशिक उत्तराधिकार के आधार की व्याख्या कीजिए । **3**

(2 + 3 + 3 = 8)

अथवा

नियतिवादी और भौतिकवादी

यहाँ हम सुत्त पिटक से लिया गया दृष्टांत दे रहे हैं । इसमें मगध के राजा अजातशत्रु और बुद्ध के बीच बातचीत का वर्णन किया गया है ।

एक बार राजा अजातशत्रु बुद्ध के पास गए और उन्होंने मक्खलि गोसाल नामक एक अन्य शिक्षक की बातें बताईं :

"हालाँकि बुद्धिमान लोग यह विश्वास करते हैं कि इस सद्गुण से... इस तपस्या से मैं कर्म प्राप्ति करूँगा.... मूर्ख उन्हीं कार्यों को करके धीरे-धीरे कर्म मुक्ति की उम्मीद करेगा । दोनों में से कोई कुछ नहीं कर सकता । सुख और दुख मानों पूर्व निर्धारित मात्रा में माप कर दिए गए हैं । इसे संसार में बदला नहीं जा सकता । इसे बढ़ाया या घटाया नहीं जा सकता । जैसे धागे का गोला फेंक देने पर लुढ़कते-लुढ़कते अपनी पूरी लंबाई तक खुलता जाता है उसी तरह मूर्ख और विद्वान दोनों ही पूर्व निर्धारित रास्ते से होते हुए दु:खों का निदान करेंगे ।"

और अजीत केसकंबलिन् नामक दार्शनिक ने यह उपदेश दिया :

"हे राजन् ! दान, यज्ञ या चढ़ावा जैसी कोई चीज़ नहीं होती... इस दुनिया या दूसरी दुनिया जैसी कोई चीज़ नहीं होती...

मनुष्य चार तत्त्वों से बना होता है । जब वह मरता है तब मिट्टी वाला अंश पृथ्वी में, जल वाला हिस्सा जल में, गर्मी वाला अंश आग में, साँस का अंश वायु में वापिस मिल जाता है और उसकी इंद्रियाँ अंतरिक्ष का हिस्सा बन जाती हैं...

दान देने की बात मूर्खों का सिद्धांत है, खोखला झूठ है... मूर्ख हो या विद्वान दोनों ही कट कर नष्ट हो जाते हैं । मृत्यु के बाद कोई नहीं बचता ।"

प्रथम गद्यांश के उपदेशक आजीविक परंपरा के थे । उन्हें अक्सर नियतिवादी कहा जाता है – ऐसे लोग जो विश्वास करते थे कि सब कुछ पूर्व निर्धारित है । द्वितीय गद्यांश के उपदेशक लोकायत परंपरा के थे जिन्हें सामान्यत: भौतिकवादी कहा जाता है । इन दार्शनिक परंपराओं के ग्रंथ नष्ट हो गए हैं । इसलिए हमें अन्य परंपराओं से ही उनके बारे में जानकारी मिलती है ।

(1) मक्खलि गोसाल ने राजा अजातशत्रु से क्या कहा ? स्पष्ट कीजिए । **3**

(2) दार्शनिक अजीत केसकंबलिन् ने क्या उपदेश दिया ? स्पष्ट कीजिए । **2**

(3) नियतिवादियों के विश्वासों का वर्णन कीजिए । **3**

(3 + 2 + 3 = 8)

Read the given passage carefully and answer the questions that follow :

Why kinfolk quarrelled

This is an excerpt from the *Adi Parvan* (literally, the first section) of the Sanskrit *Mahabharata*, describing why conflicts arose amongst the Kauravas and Pandavas :

> The Kauravas were the ... sons of Dhritarashtra, and the Pandavas ... were their cousins. Since Dhritarashtra was blind, his younger brother Pandu ascended the throne of Hastinapura ... However, after the premature death of Pandu, Dhritarashtra became king, as the royal princes were still very

> young. As the princes grew up together, the citizens of Hastinapura began to express their preference for the Pandavas, for they were more capable and virtuous than the Kauravas. This made Duryodhana, the eldest of the Kauravas, jealous. He approached his father and said, "You yourself did not receive the throne, although it fell to you, because of your defect. If the Pandava receives the patrimony from Pandu, his son will surely inherit it in turn, and so will his son, and his. We ourselves with our sons shall be excluded from the royal succession and become of slight regard in the eyes of the world, lord of the earth !"

Passages such as these may not have been literally true, but they give us an idea about what those who wrote the text thought. Sometimes, as in this case, they contain conflicting ideas.

(1) Why did the citizens of Hastinapur express preference for Pandavas ?

(2) Explain the reactions of Duryodhana against Pandavas.

(3) Explain the criteria of patrilineal succession.

OR

Fatalists and materialists

Here is an excerpt from the *Sutta Pitaka*, describing a conversation between king Ajatasatru, the ruler of Magadha, and the Buddha :

On one occasion King Ajatasatru visited the Buddha and described what another teacher, named Makkhali Gosala, had told him :

> "Though the wise should hope, by this virtue ... by this penance I will gain karma ... and the fool should by the same means hope to gradually rid himself of his karma, neither of them can do it. Pleasure and pain, measured out as it were, cannot be altered in the course of *samsara* (transmigration). It can neither be lessened or increased ... just as a ball of string will when thrown unwind to its full length, so fool and wise alike will take their course and make an end of sorrow."
>
> And this is what a philosopher named Ajita Kesakambalin taught :
>
> "There is no such thing, O king, as alms or sacrifice, or offerings ... there is no such thing as this world or the next ...
>
> A human being is made up of the four elements. When he dies the earthy in him returns to the earth, the fluid to water, the heat to fire, the windy to air, and his senses pass into space ...
>
> The talk of gifts is a doctrine of fools, an empty lie ... fools and wise alike are cut off and perish. They do not survive after death."

The first teacher belonged to the tradition of the Ajivikas. They have often been described as fatalists : those who believe that everything is predetermined. The second teacher belonged to the tradition of the Lokayatas, usually described as materialists. Texts from these traditions have not survived, so we know about them only from the works of other traditions.

(1) Explain what had Makkhali Gosala told the King Ajatasatru.

(2) Explain what did the philosopher named Ajita Kesakambalin teach.

(3) Describe the beliefs of fatalists.

19. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

एक ईश्वर

यह रचना कबीर की मानी जाती है :
हे भाई यह बताओ, किस तरह हो सकता है
कि संसार के एक नहीं दो स्वामी हों ?
किसने तुम्हें भ्रमित किया है ?
ईश्वर को अनेक नामों से पुकारा जाता है : जैसे अल्लाह, राम, करीम, केशव, हरि तथा हज़रत ।
सोने को अंगूठी और कंगन का आकार दिया जा सकता है ।
क्या सभी सोना समान नहीं है ?
विभिन्नताएँ तो केवल शब्दों में हैं जिनका आविष्कार हम स्वयं करते हैं ।
कबीर कहते हैं दोनों ही भुलावे में हैं ।
इनमें से कोई एक राम को प्राप्त नहीं कर सकता ।
एक बकरे को मारता है और दूसरा गाय को ।
वे पूरा जीवन विवादों में ही गँवा देते हैं ।

(1) जो कबीर की बानी मानी जाती है, वह किन ग्रंथों में संकलित है ? किन्हीं दो के नाम लिखिए । $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

(2) कबीर ने 'परम सत्य' को किस प्रकार वर्णित किया है ? 2

(3) उन्होंने विभिन्न सम्प्रदायों के संसार के स्वामियों के प्रति क्या तर्क दिए, उनकी व्याख्या कीजिए । 3

(4) क्या आप कबीर के विचारों से सहमत हैं ? आप अपने विचार भी प्रस्तुत कीजिए । 2

(1 + 2 + 3 + 2 = 8)

अथवा

यूरोप के लिए एक चेतावनी

बर्नियर चेतावनी देता है कि यदि यूरोपीय शासकों ने मुग़ल ढाँचे का अनुसरण किया तो :
उनके राज्य इस प्रकार अच्छी तरह से जुते और बसे हुए, इतनी अच्छी तरह से निर्मित, इतने समृद्ध, इतने सुशिष्ट तथा फलते-फूलते नहीं रह जाएँगे जैसा कि हम उन्हें देखते हैं । दूसरी दृष्टि से हमारे शासक अमीर और शक्तिशाली हैं; और हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी और बेहतर और राजसी ढंग से सेवा हो । वे जल्द ही रेगिस्तान तथा निर्जन स्थानों के, भिखारियों तथा क्रूर लोगों के राजा बनकर रह जाएँगे जैसे कि वे जिनके विषय में मैंने वर्णन किया है । (मुग़ल शासक) ... हम उन महान शहरों और नगरों को खराब हवा के कारण न रहने योग्य अवस्था में पाएँगे, तथा विनाश की स्थिति में, जिनके जीर्णोद्धार की किसी को चिंता नहीं है, व्यक्त टीले और झाड़ियों अथवा घातक दलदल से भरे हुए खेत, जैसा कि पहले ही बताया गया है ।

(1) यूरोपीय यात्री किस प्रकार की चेतावनी देना चाह रहा है ? संक्षेप में वर्णन कीजिए । 3

(2) बर्नियर का वृतांत सामयिक मुगल दस्तावेजों से कहाँ-कहाँ मेल नहीं खाते ? व्याख्या कीजिए । 3

(3) बर्नियर द्वारा बड़े शहरों के बारे में क्या चेतावनी दी, स्पष्ट कीजिए । 2

(3 + 3 + 2 = 8)

Read the following passage carefully and answer the questions that follow :

The One Lord

Here is a composition attributed to Kabir :

Tell me, brother, how can there be
No one lord of the world but two ?
Who led you so astray ?
God is called by many names :
Names like Allah, Ram, Karim, Keshav, Hari, and Hazrat.
Gold may be shaped into rings and bangles.
Isn't it gold all the same ?
Distinctions are only in words that we invent ...
Kabir says they are both mistaken.
Neither can find the only Ram. One kills the goat, the other cows.
They waste their lives in disputation.

(1) Name any two scriptures in which verses, ascribed to Kabir, have been compiled.

(2) How did Kabir described the 'Ultimate Reality' ?

(3) Explain the arguments given by Kabir against the lords of the world of different communities.

(4) Do you agree with Kabir ? Give your own views as well.

OR

A warning for Europe

Bernier warned that if European kings followed the Mughal model :

Their kingdoms would be very far from being well-cultivated and peopled, so well built, so rich, so polite and flourishing as we see them. Our kings are otherwise rich and powerful; and we must avow that they are much better and more royally served. They would soon be kings of deserts and solitudes, of beggars and barbarians, such as those are whom I have been representing (the Mughals) ... We should find the great Cities and the great Burroughs (boroughs) rendered uninhabitable because of ill air, and to fall to ruine (ruin) without any bodies (anybody) taking care of repairing them; the hillocks abandon'd, and the fields overspread with bushes, or fill'd with pestilential marishes (marshes), as hath been already intimated.

(1) What kind of warning European traveller wants to give ? Describe briefly.

(2) "On what accounts Bernier's description was at variance with the contemporary Mughal records." Explain.

(3) Explain Bernier's suggestions given about the great cities.

खण्ड – य

PART – E

20. भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर (पृष्ठ **13**) निम्नलिखित हड़प्पाकालीन विकसित स्थानों को दर्शाइए तथा नामांकित कीजिए : राखीगढ़ी, नागेश्वर, लोथल, कालीबंगन, कोटदीजी । **5**

अथवा

भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर (पृष्ठ **13**) बाबर, अकबर तथा औरंगज़ेब के अधीनस्थ निम्नलिखित क्षेत्रों को दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : दिल्ली, गोआ, आगरा, अजमेर, आम्बेर ।

On the given political outline map of India (on page **13**) mark and label the following mature Harappan sites Rakhigadi, Nageshwar, Lothal, Kalibangan, Kotdiji.

OR

On the given political outline map of India (on page **13**) mark and label the following territories under Babar, Akbar and Aurangzeb : Delhi, Goa, Agra, Ajmer, Amber.

21. भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर (पृष्ठ 15) 1857 में अंग्रेज़ों के अधीन भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के पाँच केन्द्र 1-2-3-4-5 चिह्नित किए गए हैं । उन्हें पहचानिये और उनके पास दी गई रेखाओं पर उनके नाम लिखिए । **5**

On the given political outline map of India (on page **15**) five territories/cities under the British control in 1857 have been marked as 1, 2, 3, 4, 5. Identify them and write their names on the lines drawn nearby :

नोट : निम्नलिखित प्रश्न **केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए** मानचित्र प्र. **20** और **21** के स्थान पर दिए गए हैं :

Note : The following questions are only for the Blind candidates; in lieu of the map questions (Q. 20 and 21) :

20. अशोक की राजधानी का नाम तथा चार महत्त्वपूर्ण बौद्ध स्थलों के नाम लिखिए । **5**

अथवा

चौदहवीं और अठारहवीं शताब्दियों के मध्य, दक्षिण भारत के किन्हीं पाँच महत्त्वपूर्ण स्थानों के नाम लिखिए ।

Name the capital of Ashoka and four major Buddhist sites.

OR

Mention any five important places in South India during 14^{th} and 18^{th} centuries.

21. 1857 के विद्रोह के किन्हीं पाँच मुख्य केन्द्रों के नाम लिखिए । **5**

Name any five main centres of the Revolt of 1857.